SVKM's Mithibai College of Arts, Chauhan Institute of Science & Amrutben Jivanlal College of Commerce & Economics (AUTONOMOUS)

Shri Vile Parle Kelavani Mandal's

[ITHIBAI COLLEGE OF ARTS, CHAUHAN INSTITUTE OF SCIENCE & AMRUTBE

JIVANLAL COLLEGE OF COMMERCE AND ECONOMICS (AUTONOMOUS)

NAAC Reaccredited 'A' grade, CGPA: 3.57 (February 2016),

Granted under RUSA, FIST-DST & -Star College Scheme of DBT, Government of India,

Best College (2016-17), University of Mumbai

Affiliated to the

UNIVERSITY OF MUMBAI

Program: Bachelor of Arts

Course: SYBA (PAPER:II)

Semester- III AND IV

Choice Based Credit System (CBCS) for the Academic year 2020-21

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSO'S)

On completion of the SYBA PAPER II (SEM III AND IV), the learners should be enriched with knowledge and be able to-

PSO 1: Understand the behaviour and Importance of the Hindi Literature.
PSO 2: Language Acquisition and Development.
PSO 3: Language Learning: A shared Responsibility.
PSO 4: Thinking and learning through Hindi language.
PSO 5: Viewing and Representing, Texts, Listening ad speaking, Reading and writing
PSO 6: Organization of the program of studies.

प्रस्तावना

स्नातक उपाधि प्रथम एवं व्दितीय वर्ष (F.Y.B.A. & S.Y.B.A.) के पाठयक्रम में हिंदी प्रश्नपत्रों को एक विशिष्ट उददेश से समाहित किया गया है। हिंदी साहित्य एवं साहित्येतर हिंदी, भाषाई दक्षता एवं भाषा कौशलों को ध्यान म रखते हुए बनाया गया यह पाठयक्रम विदयार्थियों के लिए भाषा, ज्ञान, चिंतन, रोजगार, रुचि, राष्ट्रहित आदि दृष्टि से अत्यंत लाभदायी सिध्द होगा । इससे विदयार्थी हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों में – शिक्षा, अनुवाद, पटकथा लेखन, फिल्म, नाटक, संचार माध्यम (मुद्रित एवं इलैक्ट्रानिक मीडिया) आदि क्षेत्रों में प्रवेश एवं प्रगति कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आज के इस उत्तर आधुनिक युग में मानवीय नैतिक जीवनमूल्यों के क्षरण एवं परिवर्तन के दौर में यह पाठयक्रम मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने में, उसमें प्रेम, करुणा, सत्य, न्याय, त्याग, समता, बंधुता एवं श्रमनिष्ठा आदि जीवनमल्यों की प्रतिस्थापना में भी उपयोगी सिध्द होगा; यह आशा एवं विश्वास है ।

SVKM's Mithibai College of Arts, Chauhan Institute of Science & Amrutben Jivanlal College of Commerce & Economics (AUTONOMOUS)

Program: B.A (2020-21)				**Semester: III**	
COURSE: MADHYAKALIN EVAM ADHUNIK KAVYA				**Course Code:** UAMAHIN302	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme**	
Lecture (Hours per week)	**Practical (Hours per week)**	**Tutorial (Hours per week)**	**Credit**	**Continuous Assessment (CA) (Marks - 25)**	**Semester End Examinations (SEE) (Marks- 75 in Question Paper)**
3			3	25	75

Learning Objectives: To Identify the salient features of literary texts from a broad range of Hindi literary periods

- **To equip students with argumentative and analytical involved in different issues.**
- **To acquaint students with basic literature questions and issues that are current society.**

Course Outcomes:

After completion of the course, learners would be able to:

- **CO 1: They can Identify the salient features of literary texts from a broad range of Hindi literary periods**
- **CO 2: Students get equip with argumentative and analytical involved in different issues.**
- **CO 3: Students acquaint with basic literature questions and issues that are current society.**

Outline of Syllabus: (per session plan)

Module	Description	No of Lectures
1	**Unit-I**- कबीर , सूरदास (पाठवाचन एवं व्याख्या) **क. कबीर** **<u>सतगुर महिमा अंग :</u>** १. निसि अँधियारी कारणै ....तऊ दिष्टि नहिं मंद ।। २. सतगुरु की महिमा अनंत....................................अनंत दिखावणहार ।। ३. दीपक देया तेल भरि.. बहुरि न आवौ हट्ट ।। ४. भली भाई जो गुरु मिले....................................... पड़ता पूरी जानिं ।। ५. सतगुर लई कमाँण करि ....भीतरि रह्या सरीर ।। **<u>सुमिरन भजन महिमां कौ अंग</u>** ६. कबीर सूता क्या करै... लांबे गोड़ पसारि ।। ७. तूँ तूँ करता तूँ भ□ा... जित देखौ तित तूँ ।। ८. चिंता तौ हरि नाउं की.. सोई काल कौ पास ।। ९. कबीर निरभै राम जपि....................................... तब सोवैगा दिन राति ।। १०. जिहि हरि जैसा जाणि□ाँ................................... जब लगि धंसै न आभ ।। **<u>ख. सूरदास के पद</u>** १. अविगत गति.. सुर सगुन पद गावै ।। २. हरी सों मीत न दख्यौं कोई................................. नाना त्रास निबारै ।।	**6**

	३. गोविन्द प्रीति सबनि की मानत............................ जुग -जुग भक्त बढ़ाए ।। ४. और न जानै जान की पीर................................... काउ अब सूरति करावै ।। ५. जैसा□ुम गज कौ... सूरदास द्विज दिन सुदामा तिहि दारिद्र नसा□ौ ।। ६. स्याम भजन बिन कौन बड़ाई.............................. निगम कोटि सुख पाई ।। ७. मोहन क□मुख ऊपर... तीन लोक त□ाप निवार सुखकारी ।।	
2	**Unit- II** – तुलसी, बिहारी (पाठवाचन एवं व्याख्या) **ग. गीतावली : तुलसीदास** **बालकाण्ड** १. राम लषन जब दृष्टी परे, री.. भूपहि भलैं पैंत पासे सुढ़र ढरे, री ।। २. नेकु, सुमुखि, चित लाइ चितौ, री............................... भूरिभाग सिय मातु-पितौ, री ।। ३. रामहि नीके क□निरखि, सुन□ी!.................................... करि सहज सनेह - बिष□ी ।। **अयोध्याकाण्ड** ४. माई री ! मोहि कोउ न समुझावै................................ पीर न जाति बखानी ।। ५. जब-जब भवन बिलोकति सुनो................................. बिन सोकजनित रोज मेरो ।। ६. काहेको खोरी कैकइहि लावौं?................................... मनहु राम फिरि आए ।। ७. भाई ! हौं अवध कहा रहि लैहौं?................................ निकसि बिहँग -मृग भागे ।। **घ. बिहारी के दोहे** १. तंत्रीनाद कवित्त रस.. जे बूड़े सब अंग ।। २. संपत्ति केस सुदेस नर.. नरम विभव की हानि ।। ३. कोही जातां कोऊ करौ... तऊ नीच कौ नीच ।। ४. संगति सुमति न पावहीं ....हींग न होत सुगंध ।। ५. नहिं पराग नहिं मधुर मधु... आगे कौन हवाल ।। ६. कहै-अहै सब श्रुति सुमृति..राजा, पातक, रोग ।। ७. घरु-घरु डोलत दिन है... लघु पुनि बड़ौ लखाइ ।। ८. कनक -कनक तै सौगुनी... इहिं पाएँ बौराई ।। ९. सबै हँसत कर तारि दै... गएँ गँवारैं गाँव ।। १०.बहकि बड़ाई आपनी... गड़े न गुड़कर फूल ।।	6
3	**Unit- III** आधुनिक क□्य (प□ठव□चन एवं व्या□्या□)	8

	आधुनिक काव्य :- १. आजकल लड़ाई का जमाना है - त्रिलोचन २. एक छोटा सा अनुरोध- केदारनाथ सिंह ३. आधा चाँद मांगता है पूरी रात- नरेश सक्सेना ४. नदी और साबुन- ज्ञानेंद्रपति ५. लड़ता हुआ आदमी- विश्वनाथप्रसाद तिवारी ६. सरकारी कोयल- उदयप्रकाश ७. घर मंगलेश डबराल ८. एक ढलती सदी का सच- कात्यायनी ९. चंद्रखिलौना- अनामिका १०. विरुद्ध कथा- एकांत श्रीवास्तव	
4	**Unit- IV** - कुँवर नारायण (पाठवाचन एवं व्याख्या) **. प्रतिनिधि कविताएँ - कुँवर नारायण, संपादक- पुरुषोत्तम अग्रवाल; प्रकाशक राजकमल प्रकाशन ,नेताजी सुभाषचंद्र मार्ग ,नई दिल्ली :-पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताएँ -** १. घर रहेंगे २. अंतिम ऊँचाई ३. उत्केंद्रित ४. अबकी घर लौटा तो ५. क्या वह नहीं होगा ६. नदी बूढ़ी नहीं होती ७. स्पष्टीकरण ८. हँसी ९. एक अजीब सी मुश्किल १०. बाज़ारों की तरफ ११. एक वृक्ष की हत्या १२.एक जले हुए मकान के सामने •	**12**
5	**Unit -V:-** मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य समग्र परिप्रेक्ष्य हेतु पाठालोचन और प्रश्न चर्चा	**8**
6	**Unit- VI:-** पाठालोचन और प्रश्न चर्चा	**5**
	Total	**45**

Readings

१. मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य
संपादन : हिंदी □ ध्ययन मंडल , मुंबई विश्वविदयालय ,
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

२. प्रतिनिधि कविताएँ - कुँवर नारायण,
संपादक : पुरूषोत्तम □ ग्रवाल
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन , नत्ताजी सुभाषचंद्र मार्ग, नई दिल्ली

SVKM's Mithibai College of Arts, Chauhan Institute of Science & Amrutben Jivanlal College of Commerce & Economics (AUTONOMOUS)

Program: B.A (2020-21)				**Semester: IV**	
COURSE: ADHUNIK HINDI GADYA II				**Course Code:** UAMAHIN402	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme**	
Lecture (Hours per week)	**Practical (Hours per week)**	**Tutorial (Hours per week)**	**Credit**	**Continuous Assessment (CA) (Marks - 25)**	**Semester End Examinations (SEE) (Marks- 75 in Question Paper)**
3			3	25	75

Learning Objectives:

- To acquaint students with basic Hindi Literature questions that Hindi famous authors in India have addressed.
- To acquaint students with basic Hindi Literature questions that Hindi famous authors in India and medieval tradition have addressed.

Course Outcomes:

After completion of the course, learners would be able to:

CO 1: To acquaint students with basic Hindi Literature questions that Hindi famous authors in India have addressed.

CO 2: To equip students with argumentative and analytical involved in philosophical reasoning.

CO 3: To acquaint students with basic Hindi Literature questions that Hindi famous authors in India and medieval tradition have addressed.

-

Outline of Syllabus: (per session plan)

Module	Description	No of Hours
1	**Unit-I - जंगलतंत्रम -** उपन्यास (पाठवाचन एवं व्याख्या)	6
2	**Unit- II -जंगलतंत्रम -** उपन्यास (पाठवाचन एवं व्याख्य	6
3	- **Unit- III - जंगलतंत्रम-** उपन्यास (पाठवाचन एवं व्याख्या)	6
4	**Unit- IV- कथा एक कंस की** (पाठवाचन एवं व्याख्या)	8
5	**Unit- V- कथा एक कंस की** (पाठवाचन एवं व्याख्या)	8
6	**Unit-VI-** उपन्यास पाठालोचन और प्रश्नचर्चा	6

7	**Unit-VII- कथा एक कंस की** पाठालोचन और प्रश्नचर्चा	**5**
	Total	**45**

Readings Books

१. जंगलतंत्रम - श्रवणकुमार गोस्वामी राजकमल पेपरबैक्स
तीसरी आवृत्ति २०१२
२. कथा एक कंस की (नाटक) - दयाप्रकाश सिन्हा, वाणी प्रकाशन,
२१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली

Shri Vile Parle Kelavani Mandal's

[ITHIBAI COLLEGE OF ARTS, CHAUHAN INSTITUTE OF SCIENCE & AMRUTBE

JIVANLAL COLLEGE OF COMMERCE AND ECONOMICS (AUTONOMOUS)

NAAC Reaccredited 'A' grade, CGPA: 3.57 (February 2016),

Granted under RUSA, FIST-DST & -Star College Scheme of DBT, Government of India,

Best College (2016-17), University of Mumbai

Affiliated to the

UNIVERSITY OF MUMBAI

Program: Bachelor of Arts

Course: SYBA (PAPER:III)

Semester- III AND IV

Choice Based Credit System (CBCS) for the Academic year 2020-21

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSO'S)

PSO 1: Understand the behaviour and Importance of the Hindi language.
PSO 2: Language Acquisition and Development.
PSO 3: Language Learning: A shared Responsibility.
PSO 4: Thinking and learning through Hindi language.
PSO 5: Viewing and Representing, Texts, Listening ad speaking, Reading and writing
PSO 6: Organization of the program of studies

Program: B.A (2020-21)				**Semester: III**	
COURSE: PRAYOJANMULAK HINDI				**Course Code:** UAMAHIN303	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme**	
Lecture (Hours per week)	**Practical (Hours per week)**	**Tutorial (Hours per week)**	**Credit**	**Continuous Assessment (CA) (Marks - 25)**	**Semester End Examinations (SEE) (Marks- 75 in Question Paper)**
3			3	25	75

Learning Objectives:

- **साहित्येतर हिंदी भाषा तथा हिंदी के आधुनातन आयामों का ज्ञान आवश्यक है।**
- **राजभाषा हिंदी तथा हिंदी के कार्यालयों में प्रयुक्त रूपों का परिचय प्राप्त करना।**

Course Outcomes:
After completion of the course, learners would be able to:
CO 1: To acquaint students with basic Hindi Language & Literature questions that Hindi famous authors in India have addressed.
CO 2: To equip students with argumentative and analytical involved in philosophical reasoning.

Outline of Syllabus: (per session plan)

Module	**Description**	**No of Lectures**
1	**UNIT-I** - प्रयोजन मूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप	**3**
2	**UNIT-II** - सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी, प्रयोजन मूलक हिंदी, स्वरुप एवं विशेषताएँ	**5**

3	**UNIT-III** - पारिभाषिक शब्दा□ली का सामान्य परिचय	**6**
4	**UNIT-VI** - पारिभाषिक शब्दावली के रूप में ५० प्रतिशब्दों की सूची सलग्न	**2**
5	**UNIT-V-** अनुवा□: अर्थ, स्वरुप, परिभाषा, महत्व	**10**
6	**UNIT-VI**-अनुवाद की प्रक्रिया एवं अनुवाद के भेद :- शब्दानुवाद , भावानुवाद सारानुवाद	**10**
7	**UNIT-VII-** विज्ञापन :- अर्थ, स्वरूप, परिभाषा, विशेषताएँ विज्ञापन की भाषा	**9**
	Total	**45**

Readings

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली:-

1. Ability : योग्यता
2. Ballot : मतपत्र
3. Basic : बुनियादी
4. Claim : दावा
5. Circular : परिपत्र
6. Consent : सहमति
7. Deduction : कटौती
8. Defacto : वस्तुत:
9. Deliberation : विचार-विमर्श
10. Dispatch : प्रेषण
11. Enclosure : अनुलग्नक
12. Estimate : अनुमान
13. Experiment : प्रयोग
14. Founder : संस्थापक
15. Graduate : स्नातक
16. Grant : अनुदान
17. Honorarium : मानदेय

18. Identity Card	:	पहचान पत्र
19. Initials	:	आद्यक्षर
20. Junior	:	कनिष्ठ
21. Laboratory	:	प्रयोगशाला
22. Leave	:	छुटटी
23. Margin	:	हाशिया
24. Maximum	:	अधिकतम
25. Memorandum	:	ज्ञापन
26. Modus operandi	:	कार्य-प्रणाली
27. Notice	:	सूचना
28. Notification	:	अधिसूचना
29. Oath	:	शपथ
30. Parliament	:	संसद
31. Priority	:	प्राथमिकता
32. Project	:	परियोजना
33. Proceedings	:	कार्यवाही
34. Questionnaire	:	प्रश्नावली
35. Rate	:	दर
36. Reaction	:	प्रतिक्रिया
37. Record	:	अभिलेख
38. Style	:	शैली
39. Tax	:	कर
40. Temporary	:	अस्थायी
41. Tenure	:	अवधि
42. Urgent	:	अत्यावश्यक
43. Utilization	:	उपभोग
44. Verification	:	सत्यापन
45. Valuation	:	मूल्यांकन
46. Wage	:	मज़दूरी
47. Waiting list	:	प्रतीक्षा सूची
48. Will	:	वसीयत
49. Wholesale	:	थोक व्यापार
50. Zonal office	:	आंचलिक कार्यालय

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

१. प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
२. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदर□
३. प्रयोजन मूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्ट□
४. प्रयोजन मूलक हिंदी की नयी भूमिका - कैलाश नाथ पांडय□
५. प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ. पी. लता
६. प्रयोजन मूलक हिंदी - माधव सोनटक्क□
७. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
८. अनुवाद : स्वरुप और क्षत्र - डॉ. गोपाल अभ्यंकर
९. अनुवाद कला - डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
१०. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग - जी. गोपीनाथ
११. अनुवाद विज्ञानं की भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी
१२. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण : अनुवाद तथा रचना - डॉ. एच. परमेश्वर
१३. अनुवाद स्वरुप और आयाम - डॉ. त्रिभुवन राय
१४. विज्ञापन सिद्धांत एवं प्रयोग - अशोक महाजन
१५. आधुनिक विज्ञापन - डॉ. प्रेमचंद पातंजलि
१६. राजभाषा हिंदी - कैलाश चंद्र भाटिया
१७. खड़ी बोली का आंदोलन - डॉ. शितिकंठ मिश्र
१८. भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ. विनोद कुमार प्रसाद
१९. राजभाषा क□संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास - डॉ. उदयनारायण दूब□
२०. प्रयोजनमूलक हिंदी एवं पत्रकारिता - नीलम कपूर / सुनीता भाटिया
२१. हिंदी का विश्व संदर्भ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

SVKM's Mithibai College of Arts, Chauhan Institute of Science & Amrutben Jivanlal College of Commerce & Economics (AUTONOMOUS)

Program: B.A (2020-21)				**Semester: IV**	
COURSE: JANSANCHAR MADHYAM				**Course Code:** UAMAHIN403	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme**	
Lecture (Hours per week)	**Practical (Hours per week)**	**Tutorial (Hours per week)**	**Credit**	**Continuous Assessment (CA) (Marks - 25)**	**Semester End Examinations (SEE) (Marks- 75 in Question Paper)**
3			3	25	75

Outline of Syllabus: (per session plan)

Module	Description	No of Lectures
1	**UNIT-I** – जनसंचार अर्थ स्वरुप परिभाषा	3
2	**UNIT-II-**. जनसंचार माध्यम का परिचय : १. मुद्रित माध्यम २. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम	6
3	**UNIT-III** -. जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता क. समाचारपत्र ख. रेडियो ग. दूरदर्शन घ. सिनेमा ङ. इंटरनेट च. मोबाईल	10
4	**UNIT-VI-**जनसंचार माध्यमोंकी भाषा छ. समाचारपत्र ज. रेडियो झ. दूरदर्शन ञ. सिनेमा ट. इंटरनेट ठ. मोबाईल	10

5	**UNIT-V**- पत्रकारिता का स्वरुप एवं प्रकार	**10**
6	**UNIT-VI**- संविधान : मौलिक अधिकार	**3**
7	**UNIT-VII**- सूचना का अधिकार	**3**
	Total	**45**

Readings

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

१. जनसंचार - हरीश हरोड़ा
२. प्रिंट मीडिया लेखन - हरीश हरोड़ा
३. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन - हरीश हरोड़ा
४. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यव्हार - चंद्रप्रकाश मिश्र
५. मीडिया विधि - निशांत सिंह
६. पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण - □ रविन्द मोहन
७. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र - जवरीमल्ल पारख
८. भारत में प्रेस कानून - प्रो. मधुसू□न त्रिपाठी
९. टेलीविजन लेखन - □ सगर वजाहत / प्रभात रंजन
१०.रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
११. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. □ र्जुन तिवारी
१२. हिं□ी पत्रकारिता - डॉ. पी. लता
१३. जनसंचार विविध आयाम - डॉ. वृजमोहन गुप्त
१४. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग - डॉ. जितेंद्र वत्स / डॉ. किरणबाला
१५. समाचार, फीचर लेखन और संपा□न कला - डॉ. हरिमोहन